EIILM UNIVERSITY SIKKIM

SPECIAL EXAMINATION SEPTEMBER 2011
MASTER OF ARTS (HINDI) YEAR-2nd

मध्य कालीन काव्य

Time: 3 hrs **Maximum Marks: 60**

Note

1. **attempt any five question**
2. **All question carry equal marks.**

1 विद्यापति की सौन्दर्य भावना का विवेचन कीजिए।

2 तुलसीदास की अपेक्षा कबीरदास आधुनिक मनोभूमि के आर्थिक निकट है। इस कथन का परीक्षण कीजिए।

3 विनय–पत्रिका तुलसी की आघ्यात्मिक विचारों के अघ्ययन का उत्कुष्ट साधन है – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4 बिहारी की कल्पना भाक्ति के आधार पर उनकी कला का विवेचन कीजिए।

5 भाव व्यंजना की दृश्टि से रसखान के कविकर्म का विवेचन कीजिए?

6 धन आन्नंद की कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7 महाकवि बिहारी का जीवन परिचय देते हुए इस तथ्य पर विचार कीजिए कि उनका जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के दरबार में पहुचना उनके साहित्यिक जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवसर है।

8 निम्नलिखित अवतरणों की सदंर्भ साहित व्यख्या कीजिए।

" कबीर बादल प्रेम का हम पीर बरस्य आइ।
अन्तर भीगी आतमा हरी मन बरसाई।।
पूरे सू परचा भया सब दुख मेल्या दूरि।
निर्मल कीन्ही आत्मा ताथै सदा हजूरि "।

9. व्याख्या कीजिए–:

1. '' जिनु मरने ते जग, डरे सो मेरे आन्नद।
सब मरिहो कब, भेहिहौ पूरन परमानन्द '' ।
2. '' सरा सोई सराहिए, लड़ै धनी कै हैत।
पुरिजा–पुरिजा होई , परै न छाड़ै खेत ''।